कार्रवाई

लांजी पुलिस की रातभर कार्रवाई, ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित रेत जब्त, बिना रॉयल्टी कर रहे थे परिवहन

अवैध रेत परिवहन पर पुलिस का बड़ा एक्शन, दो गिरफ्तार

नवभारत, लांजी। जिले में अवैध रेत परिवहन के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देशन में जिलेभर में चल रहे अभियान के तहत लांजी थाना पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अवैध रेत से भरे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए हैं। इस कार्रवाई को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्शकांत शुक्ला एवं एसडीओपी लांजी ओम प्रकाश के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया। जानकारी अनुसार 18-19 अप्रैल 2026 की दरमियानी रात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम टेमनी के रेत घाट से दो व्यक्ति अवैध रूप से रेत परिवहन करने वाले हैं। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने ग्राम टेमनी में बोलेगांव मार्ग पर घेराबंदी की। कुछ ही देर में दो नीले रंग के पावरट्रैक ट्रैक्टर-ट्रॉली आते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर दोनों चालक भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें पकड़ लिया। जांच के दौरान ट्रॉली में रेत भरी पाई गई।

जब चालकों से रॉयल्टी या अन्य वैध दस्तावेज मांगे गए तो वे कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

आरोपियों की हुई पहचान, वाहन जब्त कर मामला दर्ज किया

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम तोमेन्द्र उर्फ साहिल सिंह सोलंकी पिता लोटन सिंह सोलंकी, 21 वर्ष, तथा नवीन सिंह चंदेल पिता नत्थूसिंह चंदेल, 23 वर्ष, दोनो निवासी ग्राम टेमनी थाना लांजी बताए। दोनों आरोपी अपने-अपने ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 50 जेडबी 3042 एवं एमपी 50 एए 2404 में अवैध रेत परिवहन कर रहे थे। पुलिस ने दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉली को अवैध खनिज सहित जब्त कर लिया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 5-5 हजार रुपये बताई गई है। आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 119/2026 के तहत धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता एवं धारा 4/21 खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक दीप सिंह परमार, सहायक उपनिरीक्षक परमानंद भगत, प्रधान आरक्षक नरेन्द्र, आरक्षक सुजीत, चेतन, आशुतोष एवं संजय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुरातत्व प्रेमियों का हुआ सम्मान, यादगार धरोहर प्रर्दशनी लोकार्पित

नवभारत, बालाघाट। इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय में विश्व पुरातत्व धरोहर दिवस पर 18,19 अप्रैल को समारोह आयोजित हुआ। 18 अप्रैल को प्रथम चरण में यादगार धरोहर प्रर्दशनी को जनता हेतु लोकार्पित किया, जिसे देखकर पुरातत्व प्रेमियों को ज्ञानवर्धक जानकारियां देखकर आकर्षित हो गए। तदोपरान्त पुरातत्व संवाद का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में पुरातत्व विद् एवं से.नि.तहसीलदार रायपुर डॉ.रामविजय शर्मा, कार्यक्रम की अध्यक्षता संग्रहाध्यक्ष डॉ वीरेन्द्र सिंह गहरवार ने की और विशिष्ट अतिथि के तौर पर राधेश्याम शर्मा,सेवानिवृत,प्रधान पाठक एवम पूर्व जिला नोडल अधिकारी (ए.पी.सी) समग्र शिक्षा जांजगीर एवं सक्ति (छत्तीसगढ़), श्रीमती शांता तिवारी, यूनुस खान,राजेन्द्र कुमार ब्रम्हें, दिनेश कुमार नेमा, राजकुमार शर्मा,समीर सिंह गहरवार, श्याम सिंह ठाकुर, सतीश भारद्वाज थे। इस पावन पर डॉ.रामविजय शर्मा, इतिहासकार एवं पुरातत्ववेता, रायपुर भारत द्वारा आदिवासी महाकवि

कालीदास पंडों एवं उनके मृगाडांड़ के मूल निवासी एवं मृगाडांड़ के मूल पंडो आदिवासी होने के 365 प्रमाणों पर व्याख्यान दिया। तदोपरान्त डॉ.वीरेन्द्र सिंह गहरवार संग्रहाध्यक्ष गहरवार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में अवगत कराते हुए कार्यक्रम का उद्देश्य प्रस्तावना रखी। उन्होंने पुरातत्व को लेकर अब तक उनके द्वारा किए गए कार्यो की जानकारी भी सांझा की, उन्होंने लांजी के कोटेश्वर महादेव मंदिर और किले को विश्व पुरातत्व धरोहर में शामिल करने की पहल की जायेगी। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय एवं कमला नेहरु महिला महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं शामिल रहे, जिन्हें जिले की विभिन्न धरोहरों से अवगत कराते हुए डॉ. गहरवार ने उनसे प्रश्न भी पूछे। जिले के राज्य और केन्द्र शासन से संरक्षित पुरातत्व और पर्यटन स्थलों को लेकर विचार विमर्श भी किया गया। सभी बच्चों को संरक्षण का भ्रमण कराया गया।

द्वितीय चरण में डॉ.रामविजय शर्मा रायपुर तथा डॉ.समीर सिंह गहरवार बालाघाट को राष्ट्रीय दुर्लभ पुरातत्वों की खोज में विद्यासागर उपाधि (डी.लिट् अवार्ड), राधेश्याम शर्मा खरसिया,नरेंद्र पाण्डेय झारखंड, श्रीमती प्रिया मेनन पुणे को शिक्षा,समाज, साहित्य एवं रचनात्मक क्षेत्र के परिप्रेक्ष्य में वाचस्पति की मानद उपाधि (डॉक्टरेट अवार्ड), श्रीमती शांता तिवारी बालाघाट, यूनुस खान 'पापा भाई' बालाघाट को राष्ट्रीय अद्भुत विशिष्ट रत्न विद्श्री, राजकुमार शर्मा वारासिवनी को राष्ट्रीय शिखर रत्न विद्श्री से अलंकृत किया गया।

उक्त अवसर पर 'यादें' हिन्दी त्रैमासिक सामान्य अंक, जिसमें इतिहास, पुरातत्व, साहित्य, सांस्कृतिक, पर्यावरण पर विषय विशेषज्ञ के शोध आलेख प्रकाशित हुए, जिसमें डॉ.जे.बी.नागरत्नम्म् शिमोगा (कर्नाटक), डी.के.लिंगराज शिकारीपुर (कर्नाटक),डॉ.रामविजय शर्मा रायपुर, डॉ.रामसहाय बरैया ग्वालियर (मध्यप्रदेश), डॉ.वर्षा सुनिता रामचंद्र चौरे मुंबई (महाराष्ट्र),डॉ.नंदिता बाली सोलन (हिमाचल प्रदेश), डॉ.कविता गहरवार, शांता गौतम, रिया शर्मा सहित पुरातत्व संग्रहालय एवं महाविद्यालय विद्यार्जन करने वाले विधार्थियों एवं पुरातत्व प्रेमियों का अभिनन्दन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

तृतीय चरण में विश्व पुरातत्व धरोहर पर तथात्मक रचनाओं का स्वर पठन-पाठन कर श्रोताओं को रसास्वादन करवाया।

जिला स्तरीय कराते प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

नवभारत, बालाघाट। खेल और युवा कल्याण विभाग के जिला कराते प्रशिक्षण केंद्र में एक दिवसीय जिला स्तरीय कराते प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन जिला इंडियन कराते संघ के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें जिलेभर के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राजेश पाठक रहे। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री अश्विनी उपाध्याय, संदीपनी विद्यालय के प्राचार्य श्री युवराज रांहगडाले, भोपाल अकादमी के संचालक एवं संरक्षक श्री देवेन्द्र चंदेल तथा जिला कराते संघ के अध्यक्ष श्री तपेश असाटी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में खेल और युवा कल्याण विभाग के कराते सेंटर के लगभग 25 खिलाड़ियों सहित कटंगी, मलाजखंड, किरनापुर और बेहर विकासखंडों से करीब 150 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान सब-जूनियर एवं कैडेट वर्ग में मुलना स्टेडियम कराते सेंटर के खिलाड़ियों ने सर्वाधिक स्वर्ण एवं रजत पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका जिला कराते प्रशिक्षक सजिन्द्र कृष्णन के साथ श्री दिनेश कोरै, श्री रूपेन्द्र बनकर, सुश्री रूपल गौतम, खुशी मुनेश्वर, परेश कुथै, तनु वामनकर और जयश्री सोनवाने ने निभाई।

शिवाय वासनिक, सीरत भगत, मानस अविनाशी, सत्यम बर्वे, आराध्य तिवारी, वंश लिल्लारे, अविका बघेल, त्विषा सोमनकर, आराध्या भागडकर, श्रुतकीर्ति छारी, सईद आहिल अली, केनिशा खजरे, कृति पटले, सांझ मोतीचूर, प्रियांश तिलासे, आदविक बोपचे, आदित्य राणा, करन चौधरी, मेघ बिसेन, विहान ऐलकर, समीर मोतीचूर, आरव साठे, आदर्श गुप्ता, तेजस्वी शर्मा और इसराख शेख सहित कई खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया।

इस उपलब्धि पर जिला खेल अधिकारी श्री राहुल बरेसा, जिला एथलेटिक संघ अध्यक्ष श्री नरेश धुवारे, आकाशवाणी बालाघाट के श्री धीरज, खेल प्रवक्ता श्री अजय ठाकुर, वरिष्ठ पीटीआई श्री कमल तिलासे सहित खेल विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षक सजिन्द्र कृष्णन ने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए प्रतियोगिता को आत्मरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बताया।

डीएसआर तकनीक से धान बुआई को बढ़ावा, सुपर सीडर, हैप्पी सीडर से किसानों को बड़ा लाभ

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले में धान उत्पादन को अधिक लाभकारी और संसाधन-संरक्षण आधारित बनाने के लिए कृषि विभाग द्वारा किसानों को डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) तकनीक अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस पद्धति के साथ सुपर सीडर एवं हैप्पी सीडर मशीन के उपयोग से किसानों को लागत में कमी और बेहतर उत्पादन मिल रहा है।

उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि पारंपरिक रोपाई पद्धति की तुलना में डीएसआर से धान बुआई करने पर 15 से 30 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है। समतल एवं नमी युक्त खेत में सीड ड्रिल के माध्यम से 2-3 सेमी गहराई पर बीज बोने से लगभग 100 प्रतिशत अंकुरण संभव होता है। इस विधि से एक माह तक समय की बचत होती है और श्रम लागत भी कम हो

जाती है। साथ ही पहली सिंचाई की आवश्यकता करीब 21 दिन बाद होती है।

उप संचालक श्री मालवीय ने बताया कि सुपर सीडर मशीन से जुताई, बुवाई और बीज ढकने का कार्य एक साथ किया जाता है, जिससे पराली को जलाने की जरूरत नहीं पड़ती और मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है। इससे फसल की पैदावार में भी वृद्धि होती है। प्रति एकड़ लगभग 10 हजार रुपये तक की लागत बचत संभव है और कम बीज दर (30-40 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर) में समान अंकुरण प्राप्त होता है।

वहीं पारंपरिक रोपाई विधि में अधिक श्रम (280-300 मानव-घंटे प्रति हेक्टेयर) की आवश्यकता होती है, मजदूरों की कमी से कार्य प्रभावित होता है और मिट्टी की संरचना भी खराब होती है, जिससे रबी फसलों के उत्पादन पर असर पड़ता है।

उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि किसानों के लिए डायरेक्ट बुवाई आधुनिक और लाभकारी विकल्प बनकर उभर रही है। उन्होंने कहा— 'पैसा बचाएँ, भूमि का स्वास्थ्य सुधारें, सीधी बुआई से अपनी किस्मत सँवारें।हैप्पी सीडर का जब साथ होगा, कम मेहनत में उन्नत परिणाम होगा। रोपा छोड़ें, सीधा बीज लगाएँ, हैप्पी सीडर से खेती को सरल बनाएँ। पैसा बचेगा, सुधरेगी आपकी ज़मीन, मेहनत कम और फसल होगी बेहतरीन।'

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे डीएसआर तकनीक अपनाकर आधुनिक खेती की ओर कदम बढ़ाएँ। सुपर सीडर एवं हैप्पी सीडर मशीन किराए पर प्राप्त करने के लिए किसान J-Farm App डाउनलोड कर पंजीयन कर सकते हैं।

पोषण पखवाड़ा एवं नारी शक्ति वंदन पखवाड़े के तहत नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

बालाघाट। पोषण पखवाड़ा (9 से 23 अप्रैल 2026) एवं नारी शक्ति वंदन पखवाड़े (10 से 25 अप्रैल 2026) के अंतर्गत परियोजना बालाघाट (नवीन) के आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 64 में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर कलेक्टर श्री मृणाल मीणा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा आयुष विभाग के समन्वय से संपन्न हुआ। शिविर में गर्भवती एवं धात्री महिलाओं, बच्चों तथा वृद्ध महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपाली चौके द्वारा किया गया। इस दौरान हितग्राहियों को पोषण, स्वच्छता एवं स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के संबंध में आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया।

विक्रम विद्यालय, हट्टा के अंग्रेजी माध्यम के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

नवभारत,हट्टा। विक्रम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, हट्टा के अंग्रेजी माध्यम के छात्रों ने विभिन्न परीक्षाओं में एक बार फिर बेहतरीन नतीजे दिए हैं। छात्रों ने स्क्क क्रूभ्डुहृस्त्र कक्षा 10वीं, नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा (क्लास 6ह्लद्ध), कक्षा 8वीं बोर्ड तथा कक्षा 5वीं बोर्ड परीक्षा में लाजवाब प्रदर्शन किया है।

कक्षा 10वीं एमपी बोर्ड के परिणाम अत्यंत सराहनीय रहे। कुल 24 विद्यार्थियों में से 23 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जिसमें 20 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी एवं 3 विद्यार्थियों ने द्वितीय श्रेणी प्राप्त की। विशेष रूप से 12 विद्यार्थियों ने 85% से अधिक अंक प्राप्त किए। उच्च अंक प्राप्त करने वाले प्रमुख छात्र-छात्राओं में: गौरी भालाधरे (95.2%), डेलिशा कुथे (93.4%), दर्शिका बिसेन (93.2%), अंकुश मेहर (92.4%), उज्जवल बिसेन (92.2%), लकेश शरणागत (90%), लांची पांचे (89.8%), दिव्यांशी सोनेकर (89.4%), दृष्टि माहुले (88%), प्रतिज्ञा पांचे (87.6%), कनिका चौधरी (87.2%), निशा बावनकर (85.2%) प्रमुख रहे। वहीं कुणाल ठाकरे ने 77.8% अंक प्राप्त किए।

नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा: विद्यालय के छात्र देव पटले (देव पाटे) ने नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा (कक्षा 6वीं) में सफलता प्राप्त की।

कक्षा 8वीं बोर्ड: 100% पास प्रतिशत रहा। प्रसिद्धि नागवंशी ने 95% अंक प्राप्त कर टॉप किया। आयुषी बिसेन ने 89.5% अंक हासिल किए। कुल 10 छात्रों ने 80% से अधिक अंक प्राप्त किए। कक्षा 5वीं बोर्ड: यहाँ भी 100% पास प्रतिशत रहा। चाहक कटरे ने 85% अंक के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। 8 छात्रों ने 80% से अधिक अंक हासिल किए।

प्राचार्य का संदेश: वियालय के प्राचार्य श्री अशोक कसारने छात्रों के उज्ज्वल प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि यह सफलता कड़ी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है।

इंग्लिश मीडियम इंचार्ज: श्रीमती हेमलता बेदरे जी ने भी सभी सफल छात्रों को बधाई दी और कहा कि अंग्रेजी माध्यम में निरंतर सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं।

विद्यालय परिवार सभी सफल छात्रों को हार्दिक बधाई देता है और भविष्य के लिए शुभकामनाएँ व्यक्त करता है।

गेहूं उपार्जन के लिए स्लॉट बुकिंग 30 तक अनिवार्य

बालाघाट। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में गेहूं उपार्जन के लिए किसानों की स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। संबंधित विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, सभी समितियों को अपने-अपने क्षेत्र के पंजीकृत कृषकों से संपर्क कर उन्हें समयसीमा के भीतर स्लॉट बुकिंग कराने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आर के ठाकुर ने बताया कि निर्धारित तिथि के पश्चात स्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया संभव नहीं होगी, जिससे किसानों को उपार्जन में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसको ध्यान में रखते हुए समितियों को व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने तथा एसएमएस के माध्यम से किसानों को सूचना देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

शंकरपिपरिया में 'हर घर जल' से बदली तस्वीर

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले के खैरलांजी विकासखंड अंतर्गत ग्राम शंकरपिपरिया आज 'हर घर जल' अभियान की सफलता का एक जीवंत उदाहरण बनकर उभरा है। जल जीवन मिशन के तहत यहाँ न केवल पानी की समस्या का समाधान हुआ है, बल्कि ग्रामीणों के जीवन में व्यापक बदलाव भी देखने को मिला है।

कुछ वर्ष पहले तक शंकरपिपरिया के ग्रामीणों, खासकर महिलाओं को पीने के पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए 2 दिसंबर 2020 को नल-जल योजना का कार्य शुरू किया गया। सरकार द्वारा इस परियोजना के लिए 75.21 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई, जिसका उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना था।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के इंजीनियरों और ग्रामीणों के सहयोग से योजना ने

तेजी पकड़ी। करीब ढाई साल की मेहनत के बाद 2 अगस्त 2023 को कार्य पूर्ण हुआ। पूरे गाँव में पाइपलाइन बिछाई गई और प्रत्येक घर में नल कनेक्शन उपलब्ध कराया गया। योजना के तहत केवल पानी उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करना भी प्राथमिकता रही। इसके लिए गाँव की महिलाओं को स्न्नञ्जय (फील्ड टेस्ट किट) के माध्यम से पानी की जांच का प्रशिक्षण दिया गया। अब ग्रामीण स्वयं श्च॥ मान, क्लोराइड, आयरन और फ्लोराइड जैसे तत्वों की जांच कर पानी की शुद्धता सुनिश्चित करते हैं।

15 दिसंबर 2023 को योजना का विधिवत हैंडओवर ग्राम पंचायत शंकरपिपरिया को कर दिया गया। अब पंचायत ही इसके संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी निभा रही है, जिससे योजना की निरंतरता सुनिश्चित हो रही है। आज गाँव के सभी 494 घरों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध है। इसका सीधा असर ग्रामीण जीवन पर पड़ा है, महिलाओं को पानी के लिए भटकना नहीं पड़ता, जिससे समय और श्रम की बचत हुई है। स्वच्छ पानी मिलने से जलजनित बीमारियों में कमी आई है ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार और संतोष का भाव बढ़ा है

ग्राम शंकरपिपरिया अब 'हर घर जल' के लक्ष्य को साकार करने वाली एक प्रेरणादायक कहानी बन चुका है।

कटंगी में भ्रष्टाचार चरम पर, शासन को लगा रहे लाखों का चूना

विकास के नाम पर अपना विकास करना बन गई नियति, जनता के पैसों की हो रही लूट

नवभारत कटंगी 19 अप्रैल। कटंगी क्षेत्र में इन दिनों भ्रष्टाचार चरम पर है। विकास के नाम पर अपना विकास करना यहां नियति बन गई है। शासकीय कार्यालयों का तो यह आलम है कि बगैर दिये कोई कार्य नही होते और इन्हें कोई रोकने टोकने वाला नहीं है, जिससे अधिकारी वर्ग बेखौफ होकर जनता को लूट रहे हैं।

क्षेत्र में अवैध कार्यों की भी बाढ़ सी आ गई है। शिकायतों के बावजूद अधिकारी नहीं कर रहे कार्यवाही। जांच अधिकारी भी जांच के नाम पर लिपापोती कर मामले को रफा-दफा कर देते हैं। कमिशनखोरी के चक्कर से विकास कार्यों को खोखला किया जा रहा है।

कार्य एजेंसी और ठेकेदार की मिलीभगत

कहने को तो क्षेत्र में बहुत से कार्य प्रारंभ हैं, किन्तु कार्य एजेंसी और ठेकेदार मिलीभगत कर निर्माण कार्य में एस्टीमेट के आधार पर कार्य नहीं कर लिपा-पोती कर कार्यों को अंजाम दे रहे हैं। इस तरह के अनेक मामले प्रकाश में आ रहे हैं, जिसमें ताजा मामला तिरोड़ी तहसील के अंतर्गत बनाई जा रही सड़क निर्माण का है।

विधायक ने किया था भूमिपूजन

शिकायतकर्ता ग्रामीणों के अनुसार समीपस्थ ग्राम पंचायत चाकाहेटी की सीमा तिरोडी से लगकर 2 किलोमीटर (जामरापानी) से प्रारंभ होती है। यहां से लेकर चाका हेटी, जामुन टोला, रामजीटोला से आंजनबिहरी तक लगभग 8.5 किलोमीटर की पक्की सड़क (डामरीकरण) लागत लगभग 6. 74 करोड़ का भूमिपूजन विधायक गौरव सिंह पारधी द्वारा दिनांक 21 मार्च 2026 को किया गया था।

ठेकेदार कर रहा मनमानी

सड़क का निर्माण लोकनिर्माण विभाग बालाघाट के देखरेख में ठेकेदार राजेश खजरे को दिया गया है। ठेकेदार द्वारा मनमर्जी से कार्य को अंजाम दिया रहा है। विदित हो कि जनहित में सड़क की जानकारी हेतु कही भी सूचना पटल (बोर्ड) नहीं लगाया गया है, जिससे सड़क निर्माण की जानकारी सार्वजनिक नहीं हो पाती है। कार्य एजेंसी का नाम, लागत, कार्य प्रारंभ दिनांक, कार्य समापन अवधि तथा अन्य जानकारी प्राप्त नहीं हो पा रही है।

इनका कहना है

सड़क निर्माण से संबंधित सूचना पटल नहीं लगाया गया है। कार्य एजेंसी ठेकेदार से कहकर दो तीन दिन में लगवा दूंगा। सड़क निर्माण नियमानुसार किया जा रहा हैं।

कमलेश राणा, सब इंजीनियर पीडब्ल्यूडी

सडक निर्माण का कार्य निम्नस्तरीय किया जा रहा हैं। वर्षों बाद कार्य प्रारंभ तो किया जा रहा है, जिसमें ठेकेदार और अधिकारी ग्रामीण सड़क का निर्माण गुणवत्ताहीन कर रहे है, जिसकी जांच की जानी चाहिए।

देवकरण मरकवाड़े, अजय वाघधरे और अन्य ग्रामीण, ग्राम जमुनटोला

भीषण सड़क हादसे में दो की मौत, 4 घायल

तेज रफ्तार कार ने दो मोटरसाइकिलों को मारी टक्कर

नवभारत कटंगी 19 अप्रैल। कटंगी वेयर हाऊस के पास सिवनी रोड पर एक कार चालक ने एक साथ दो मोटर साइकिल को टक्कर मारी, जिसमें दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और चार घायल हो गए।

कटंगी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पानडरवानी निवासी स्वरूपचन्द लांजेवार और पत्नी सकुन लांजेवार अपने रिश्तेदार के घर वरुण जा रहे थे। तभी सिवनी की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मारी, जिससे मौके पर ही स्वरुपचन्द की मौत हो गई और उनकी पत्नी ने कटंगी अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड दिया।

घायल बालाघाट रेफर किए गए

दूसरी बाइक में सवार मानपुर लालबर्रा निवासी जोतेश, शीतल, महिरा तथा यश को गम्भीर चोटें आई हैं। उन्हें बालाघाट अस्पताल भेजा गया है तथा कटंगी पुलिस ने मृतकों का पोस्टमार्टम कर लाश परिजनों को सौंप दी है। कटंगी पुलिस द्वारा मामले की जांच कर रही है।